

(Episode 1)

प्रश्न 1. हम कुमारी हैं, पिछले साल मधुवन आए और इस ग्रुप से जुड़े, तबसे हमारा पुरुषार्थ बहुत ही अच्छा रहा। ज्ञान योग का चार्ट भी अच्छा हो गया था लेकिन जब से सेंटर पर रहने लगी तो सेवा के विस्तार में इतना बिजी हो गए कि अमृतवेले से लेकर रात्रि तक कभी ११ कभी १२ बजे जाते, जिससे ज्ञान योग तो जैसे छूट ही गया। हमारे बड़े बहन जी बहुत ही रहमदिल हैं जब सेवा नहीं रहती तो सबेरे पांच बजे तक उठने की छुट्टी है फिर उठने के बाद पश्चाताप होता है। हर संभव प्रयास करते हैं अगर चार बजे भी उठें तो अमृतवेला फ्रेश और पावरफुल नहीं होता। व्यर्थ संकल्प ज्यादा चलते हैं। हमने सोचा कि सेंटर पर हमारा पुरुषार्थ नहीं हो रहा है इसलिए हम अब घर में आ गए कि घर जाकर पुरुषार्थ करेंगे लेकिन घर जाकर भी वैसा ही हॉल है। कृपया हमारी सहायता कीजिए।

प्रश्न 2. मैं एक कुमार हूं, तीन साल से ज्ञान में हूं, पवित्रता मुझे बहुत अच्छी लगती है लेकिन फिर भी महीने में दोतीन बार स्वपनदोष हो- जाता है क्या इससे मैं पूरी तरह से मुक्त हो सकता हूं,?

प्रश्न 3. बाबा कहते हैं कि ड्रामा रिपीट हो रहा है, पुरुषार्थ भी उतना करेंगे जितना ड्रामा में लिखा है। जितना कल्प पहले किया है ड्रामानुसार ही पुरुषार्थ होता है तो हमें फिर पुरुषार्थ क्यों करना है? सो मेरा प्रश्न कि पहले क्या है ड्रामा या पुरुषार्थ।

प्रश्न 4. कुछ ज्ञानी आत्मायें जो कि योग नहीं करती, अमृतवेला नहीं करती, करेक् टर वाईज भी ठीक नहीं होती। परन्तु जब वो भोग लगाते हैं तो ध्यान में जाने का अनुभव सुनाते हैं बड़े संदेश लाते हैं तो क्या यह संभव है कि ध्यान में जाते हों?

(Episode 2)

प्रश्न 5.

ज्ञान में आने के बाद मैं रेग्युलर स्टूडेंट की तरह पढती हूं, परन्तु जिस दिन या कई दिनों तक मुरली, योग नहीं होता तो परेशान हो जाती हूं, आत्मग्लानि होती है कि इतना टाइम वेस्ट कर दिया, मन भटकता है। मुझे कोई ऐसा तरीका बताइये कि मुरली और योग न भी हो पाये तो भी मन बाबा में लगा रहे।

प्रश्न 6.

मेरा योग मुझे एक ही टाइप का लगता है जब भी मैं योग करती हूं, तो मेरा रूटीन ही ऐसा बन गया है कि पहले भृकुटि में आत्मा को देखना, चिन्तन करना, बाद में कमल आसन पर बैठकर बाबा से शक्ति लेकर शरीर में फैलाना, छत्रछाया का अनुभव करना, सूक्ष्मवतन में बाबा का वरदान हाथ सिर पर अनुभव करना, कमेंटरी सुनकर परमधाम में अशरीरीपन का अनुभव करना यह सब करती हूं, लेकिन जो विशेष अनुभव होना चाहिए वो नहीं होता, कृपया मुझे बताइये कि मैं राईट हूं, या नहीं, विशेष अनुभूति के लिए क्या करूं, कैसे अपने योग में नवीनता लाऊं?

प्रश्न 7.

ससुराल वाले मेरी बहुत आलोचना करते हैं, उस समय कैसे चुप रहें, बिना किसी बात के मुझे परेशान करते हैं, इतना क्रोध करते हैं कि मन में बहुत वेस्ट थॉट्स चलते हैं और उसका असर मेरी छह साल की बच्ची पर पड़ता है, प्लीज मुझे कोई हल बताइये?

प्रश्न 8.

मैं 8 साल से ज्ञान में हूं मेरे पति इस ज्ञान के विरोध में है उन्हें कई तरीके से समझाने की कोशिश की, पर नहीं समझते उनके लिए मैं योग करती हूँ लेकिन अभी तक कोई परिवर्तन नहीं हुआ। इसके कारण मुझे माउंट आबू आने भी नहीं मिलता।

मैं बहुत तरस रही हूँ माउंटआबू आने के लिए। मैं क्या करूँ कैसे योग लगाऊँ जिससे उनमें परिवर्तन आ जाए, वह भी बाबा के ज्ञान में आ जाए, मेरे सहयोगी बन जाएं। जैसे जो बताता है वैसे मैं योग करती हूँ कोई कहता है इस तरीके से करो, तो कोई अलग तरीके से योग बताता है। मुझे नहीं समझ में आता कि मैं क्या करूँ। प्लीज मुझे बताएं कि किस तरह उनमें परिवर्तन लाएं जिससे वे मेरे सहयोगी बन जाएं।

(Episode 3)

प्रश्न 9. मृत्यु कैसे होती है, अर्थात् आत्मा शरीर से अलग कैसे होती है, जो वापिस शरीर में प्रवेश नहीं कर सकती, या उस रथ को ऑपरेट नहीं कर पाती, आत्मा जब शरीर से अलग होती है तो, कैसे, अपनी energy समेटती है, जैसे की, विवेकानंद की कही बातों में जाना कि वह सर से लेके पाँव के तले तक आत्मा घूमती है, या move करती है, फिर बाँडी से अलग होती है।

फिर जब आत्मा शरीर से निकल जाती है, तब से लेके 12, 13 दिन तक, क्या महसूस होता है, कैसे दिन निकलते हैं, इस 13 दिन की विधि से क्या होता है और वह कहां रहती है, अर्थात् कुछ ऑरा या कोई सूक्ष्म सरहद बनती है कि वह इससे दूर न जा सके,? फिर कैसे तय होता है अगला जन्म, किस तरह वह आत्मा के सूक्ष्म शरीर और स्थूल शरीर में प्रवेश कर, फिर गर्भ में खुदके बन रहे नए शरीर से टच होती है। हमें, scientific view से जानना है जिसमे लॉजिक हो, डिटेल के साथ।

प्रश्न 10. हमारा बेटा 12th में है दिन भर मोबाइल में लगा रहता है पढ़ाई पर भी ध्यान नहीं देता। हम बहुत परेशान है किसी की भी नहीं सुनता जो मन में आता है वही करता है हम 5 वर्ष से ज्ञान में है हम क्या करें?

प्रश्न 11. मैं चार घंटे बस में ट्रॉवेल्सिंग करता हूँ ऐसी भीड़ व शोरशराबे के बीच मैं योग का अभ्यास कैसे करूँ ?

प्रश्न 12. मुझे हिस्ट्री के टीचर ने पूछा कि पिरामिड की आयु 7500 वर्ष है। आपके कल्प की आयु 5000 वर्ष है और सतयुग, त्रेता में आपका सोने का महल होगा, पिरामिड तो पत्थर के हैं, इसका क्या रहस्य है।

(Episode 4)

प्रश्न 13. मैं ३० वर्षीय कुमार हूँ और ज्ञान में १३ वर्षों से हूँ | लौकिक जॉब भी करता हूँ | मेरा प्रश्न डायरेक्टली ज्ञान/योग/धारणा/सेवा से सम्बंधित नहीं हैं परन्तु प्रश्न का सम्बन्ध इससे ही है,

मुझे भूख बहुत लगती है, कृपया सुझाव दे कि भूख को कम कैसे किया जा सके। सन्यासी लोग तो थोड़ा फलाहार आदि से काम चला लेते थे और जगदीश भाई भी कम खाते थे, अन्य महारथी भी थोड़ा खाते हैं और healthy भी रहते हैं | बाबा भी कहते हैं पेट के लिए २ रोटियां चाहिए पर मैं सुबह पेट भर भोजन (नाश्ता) करता हूँ फिर २-३ घंटे बाद भूख लग जाती है। बनाने में बहुत समय चला जाता है और सेंटर की व अन्य सेवाएं भी देखनी पड़ती हैं इसलिए पुरुषार्थ और अध्ययन का समय भी इतना नहीं बचता | डाइट को कम करना चाहता हूँ। शाम को हल्का भोजन/ फल लेता हूँ तो रात को फिर भूख लगने लगती है कृपया सुझाव दे और रेडीमेड उपलब्ध चीजों में और क्या-क्या चीजे ले सकते हैं!

प्रश्न 14. बाबा कहते हैं कि 21 जन्मों के लिए निरोगी काया देता हूँ अर्थात् आपकी काया में कोई रोग नहीं होगा, इसका मतलब इस जन्म में भी रोग नहीं होना चाहिए। मुझे ऐसा लगता है कि यह कर्मातीत स्थिति को दर्शाता है, प्लीज इस पर आपका व्यू दीजिए।

प्रश्न 15. मैं और मेरापन से मुक्त होने के लिए कौन सा पुरुषार्थ करें? मैंने ऑब्जरब किया है कि कई बार हम यह कहते हैं कि बाबा करा रहा है, बाबा करनकरावनहार है, परन्तु अंदर में सूक्ष्म में मैंपन की फीलिंग आ रही होती है, हमें यह पता भी होता है कि मैंपन का भान है, लेकिन उस समय फिर कुछ कर नहीं पाते, अच्छा नहीं लगता कि बुद्धि कह रही है कि बाबा ने किया और मन कह रहा है कि मैंने किया। यह स्ट्रगल होता है। तो प्लीज इसके लिए पुरुषार्थ क्या करें और कैसे करें यह जरूर बताएं।

प्रश्न 16. मैं अधरकुमार 6 साल से ज्ञान में हूँ। अमृतवेला, मुरली तथा सभी धारणाओं में चलता हूँ। लेकिन जैसे ही मैं ऑफिस में एंटर करता हूँ, वहा के वायुमंडल से प्रभावित हो जाता हूँ। स्वमान का अभ्यास करने के बावजूद मैं सफल नहीं हो रहा हूँ। 9.30 से 6.00 बजे तक का समय वेस्ट गया ऐसा मुझे फील होता है। ऑफिस से निकलने के पश्चात मैं हल्का फील करता हूँ। ऑफिस में विशेष प्रेशर वाला काम भी नहीं रहता लेकिन फिर भी ऐसा क्यों होता है। कृपया उपाय बतायें।

(Episode 5)

प्रश्न 17. ज्ञान और योग में क्या अंतर है ?

प्रश्न 18. मैं एक कुमार हूँ, मेरी पवित्रता अच्छी नहीं है, मैं इंटरनेट का आदी अडिक्टड हो गया हूँ, नेगेटिव साइट्स मेरी जिंदगी का हिस्सा बन चुकी हैं, कभी कभी अपने आप पर शर्म भी आती है, इस कारण Center भी जाना छोड़ दिया। बहुत समय से Center भी नहीं गया हू। अब जाने में शरम आती है। फिर भी month में 1 बार चला जाता हू। बाबा को बताके फिर गलत काम में लग जाता हू। यह दो साल से हो रहा है। मैं पवित्र बनना चाहता हूँ लेकिन फिर गलत कदम उठा लेता हूँ, लौकिक पढाई भी ठीक से नहीं हो पाती। बस माया से लड़ाई करके हार गया हूँ, यही जीवन बना गया है। मैं स्वयं को नियंत्रित नहीं कर पाता हूँ। अनावश्यक रूप से, कई बार लगता है कि मेरे से कहीं कोई गलत कार्य न हो जाये, मैं स्वयं को सुरक्षित कैसे रखूँ? और मुझे मूलधार चक्र के बारे में भी बताएं जी।

प्रश्न 19. हम अपने योग को शक्तिशाली कैसे बनाएं?

सारे दिन में स्वयं की स्थिति को शक्तिशाली कैसे बनाकर रखें?

3) Please reflect on Manthan? My understanding is that manthan would involve personal interpretation on topics of chintan.

Whether it is in alignment with Gods interpretation how does one judge?

Looking forward to the answers

प्रश्न 20. मैं बी टेक का स्टूडेंट हूँ, समयानुसार मुझे लगता है कि पुरुषार्थ और तीव्र करूं, लेकिन जब पुरुषार्थ करने लगता हूँ तो उसी समय पढाई का ख्याल आता है। मैं लौकिक और अलौकिक पढाई में बैलेंस कैसे करूं, मैं कैसे तय करूं कि कौन सी पढाई को प्राथमिकता दूं कृपया जरूर क्लीयर करें बहुत दिनों से कनफ्यूज हूँ?

(Episode 6)

प्रश्न 21. मेरा लौकिक बहुत नजदीकी रिश्तेदार है, 15 दिन में शराब पीता है तो मैं कौन से योग का प्रयोग करूं कि उनकी यह आदत पूरी तरह से चली जाए।

प्रश्न 22. ये मुरली में सुना है अंत समय में संकल्पों द्वारा सेवा होगी तो वो संकल्प कौन-से होंगे। क्या अभी ऐसे संकल्प नहीं किये जा सकते जिससे सेवा हो।

प्रश्न 23. मेरा अमतवेला बहुत दिनों से मिस हो रहा है, मैं क्या करूं, बहुत कुछ किया फिर भी मिस होता है, भोजन पर भी ध्यान रखता हूं, दिन भर में भी कुछ प्रैक्टिस करता रहता हूं, फिर भी मिस होता है। अभी ज्यादा नेगेटिव थॉट्स व वेस्ट थॉट्स आ रहे हैं, मैं तो नेगेटिव वेस्ट थॉट्स से मुक्त था, पता नहीं क्या हो गया मैं तो किसी से बात भी नहीं करता हूं, यह क्यों हो रहा है, इसके लिए मैं क्या करूं। पहले तो मैं अमतवेला मिस भी नहीं करता था दिन में दस घंटे से अधिक योग करता था, अब पता नहीं क्या हो गया, कृपया इसका समाधान बताइये?

प्रश्न 24. आदरणीय भ्राता जी, "दुःख लेने की आदत को कैसे दूर करें?" आप के चिंतन के आधार से कोई युक्ति बताने का निवेदन है।

(Episode 7)

प्रश्न 25. ब्रह्मपुरी, विष्णुपुरी और शंकरपुरी का अनुभव करने के लिए हमें स्पष्ट करें।

प्रश्न 26. सर्वप्रथम मैं धन्यवाद करता हूं कि बहुत अच्छी क्लासेस मिलती हैं। आप बहुत अच्छी सर्विस कर रहे हैं। बाबा हमेशा कहते हैं कि डामा फिक्स है, हमारा हर कर्म फिक्स है तो अब उसे चेंज कैसे कर सकते हैं, यह तो जैसे एक सीडी की तरह रिकार्डेड है! So i want to know when was this video shot first. And then how does one change ones destiny if everything is so fixed in drama.

प्रश्न 27. ओमशांती। आज की मुरली पर आधारित एक प्रश्न है। आज हमारे सेंटर पर भी विचार विमर्श हुआ लेकिन उत्तर satisfactory नहीं रहा। यदि आप हमें अपने अनुभव से थोड़ा लाइट डालेंगे तो सभी को क्लेरीटी होगी। अगर आप ओडीयो क्लिप द्वारा आपका मत बतायेंगे तो सभी को क्लास में सुनाया जायेगा। प्रश्न हे बाबा ने आज की मुरली में कहा कि त्रेता में जानेवाले को नापास ही कहेंगे। यह बातें हमें समझ नहीं आयीं। त्रेता के

अंत तक 33 करोड़ देवी देवताएँ रहेगी। बाबा से वसाँ भी 21 जन्मों की मिलनी है। और स्वर्ग का सुख भी त्रेता के अंत तक का माना जाता है। फिर भी बाबा ने त्रेता में जाने वालों को नापास क्यों कहा है। उम्मीद करते हैं कि आप आपका अनुभव share करेंगे।

प्रश्न 28. बाप तुमको विषय सागर से निकाल क्षीर सागर में ले जाते हैं। लक्ष्मी- नारायण क्षीर सागर सतयुग में है। यहाँ तो दूध पीने को भी नहीं मिलता, पाउडर मिलता है। सतयुग में कोई चीज की कमी नहीं रहती। क्षीर सागर क्या है ? SM 20.04.17

(Episode 8)

प्रश्न 29 अगर कोई कहता है कि मुझ में मम्मा आती है और पूरी क्लास में सब को वरदान भी देती है लिख लिख कर, उपाय भी बताते और असल में देखो तो पर्सनली उस आत्मा का अपना कुछ भी पुरषार्थ नहीं तो क्या ये सच हो सकता है। अगर नहीं तो स्टूडेंट को गुमराह होने से कैसे बचायें?

प्रश्न 30. मैं जो भी कार्य करना चाहती हूँ कर नहीं पाती, पढाई करने का प्लान बनाती हूँ, सोचती हूँ लेकिन जब पढने बैठती हूँ तो पढ नहीं पाती, मन में बहुत हीनता के विचार आते हैं अपने साथियों को देखकर कि वो सब कितने आगे बढ गये और मैं पीछे रह गई, मन में उदासी छाई रहती है,, मैं किसी के साथ भी ज्यादा ऐसी कम्फर्टेबल नहीं हो पाती हूँ, किसी से ज्यादा बात नहीं करती हूँ, किस से मिलने बोलने का भी मन नहीं करता, फिर कोई कहता है शायद इसे समझ कम आता है या ये भोली है। एक आत्मा के बारे में ही चिंतन चलता है कि यह इतना समर्पित होते, सबको ज्ञान देने वाले ऐसे कैसे कर सकते हैं, मेरी नजरों में तो वो रोल माडल थी लेकिन अब देखती हूँ कि वो भी सुख-सुविधा, इंटरनेट आदि में व्यस्त रहती है। सेवा तो करते हैं लेकिन साथ में सोशल मीडिया पर भी बहुत रहते हैं, बाबा ने तो इन सबके लिए कम से कम यूज करने के लिए कहा है और हम भी ऐसा ही करते हैं यह सब देखकर लगता है कि हम इतना त्याग करके कुछ गलत तो नहीं कर रहे हैं। हम बचपन से ही दुनियादारी आदि से दूर रहे, इतने फ्रेंड्स भी नहीं बनाये और वो कितना सबसे कॉन्टेक्ट में रहते और बाह्यमुखी हैं उन्हें देखती हूँ तो लगता है कि हमारी मां ने बाबा का बनने के बाद इतनी स्ट्रिक पालना की, ज्यादा लोगों से बात नहीं करते थे लेकिन आज बहुत प्रॉब्लम आती है। लोगों की हर बात में कितनी चालाकी समायी रहती है मैं तो समझ नहीं पाती, शायद मैं उनके जैसे नहीं हूँ इसलिए वो मुझे पसंद नहीं करते, मैं क्या करूँ मैं दिन भर ऐसे कारणों से दुखी रहती हूँ। बड़ों से सुना सोशल मीडिया फालतू है। बाबा के अन्नय सपूतों को देखती हूँ रंगीन कपडों में और उनकी साईटसीन फोटो तो सोचती मैं तो पागल ही बन गई/ पहले तो मेरी उनके लिए अच्छी धारणा थी लेकिन अब देखती वो लडकियों से हंसी मजाक करते हैं, ये तो नियमों के विरुद्ध है ना, वो आत्मा बहुत माइंड गेम खेलती है, इन सबसे मेरा मन बहुत खिन्न हो रहा है प्लीज मुझे विश्वास है कि आप इसका हल मुझे पक्का देंगे। मेरी परीक्षा अगले महीने है और पढाई में मेरा मन नहीं लगा रहा है।

प्रश्न 31. मेरी मैरिज को आठ साल हो गये हैं, मेरा एक बेटा और एक बेटी है, मैरिज के बाद मेरी सास ने मेरे ऊपर अपना पूरा कंट्रोल करना शुरू किया। मेरी सारी ज्वैलरी, कैश जो भी मेरे मायके से आता था वो सब कुछ खुद ही रख लेती है। वह है तो बहुत धार्मिक लेकिन साथ में बहुत ज्यादा स्ट्रिक भी है। अगर सवेरे तैयार होकर पांच बजे से थोड़ा सा भी लेट हो जाओ तो छत्र में सवेर से ही हंगामा शुरू कर देती है। अगर सवेर साढे पांच बजे फ्रेश रोटी बनाकर और पूरी रसोई साफ करके गाय को रोटी खिला दी तब तो ठीक रहती है नहीं तो बहुत क्रोधित हो जाती है।

भगवान की अलग अलग पांच आरती ही गानी है, पीपल के पेड के पास दिन निकलने से पहले ही पूजा करनी है और भी बहुत सारी चीजें सवेरे पांच बजे से लेकर रात को दस बजे तक सब कुछ उनके ही अनुसार होना चाहिए। बाद में बच्चे। मैं यह सारा कुछ नहीं कर सकती क्योंकि बहुत बार बच्चे रात को जागते हैं मेरी नींद पूरी नहीं हो पाती है, मुझे सवेरे नाश्ता भी 11 बजे मिलता था क्योंकि दस बजे मेरी सास मंदिर से आती थी उसके बाद उनको नाश्ता देकर ही मैं कुछ खा सकती हूँ। जब मेरे माता पिता ने मेरे ससुराल वालों से संपर्क किया तो उन्होंने उनके साथ रिश्ता ही तोड़ दिया, मेरे मायके में जो भी इतने सालों में फंक्शन हुए मेरी सास ने मुझे नहीं जाने दिया, दो साल पहले जब मैं बहुत डिप्रेसड हो गई तो मुझे मेरे कजन ने पीस ऑफ माइंड टीवी के लिए बोला मैंने टीवी पर दिए फोन

नंबर पर फोन किया तो वहां पर बहनों से बात करके बहुत अच्छा लगता था। जब मेरे को पता चला तो उन्होंने मुझ से फोन ही ले लिया। और जब यहां पर कोई भी अपना नहीं लगा तो मैं बच्चों को छोड़कर अपने मायके चली गई और वहां मैंने फिर से बैंक की पढाई शुरू कर दी। मेरे इक्जाम भी क्लीयर हो गया, सिर्फ इन्टरव्यू रहता था, तभी दिन रात मेरे पति के फोन आने लगे और उन्होंने मुझे फुल प्रॉमिस किया कि अब हम लोग अलग रहेंगे, बच्चों के मोह के कारण मैं भी सब कुछ छोड़कर वापस आ गई। लेकिन इस बीच में अपने मायके में कोर्स किया था और बाद में एक महीने तक मैं सेंटर भी गई थी। लेकिन आने के कुछ ही दिनों बाद सब कुछ फिर से वैसा हो गया। सुसराल वालों ने मुझे सेंटर जाने में एकदम मना कर दिया। तो मैं घर पर ही मोबाइल पर मुरली पढने लगी, योग करने लगी और प्युरिटी पर चलने लगी। मेरी सास ने इस का भी बहुत विरोध किया अब मैंने भी उनसे अपना और बच्चों का खाना अलग कर दिया और घर के ऊपर की फ़्लोर में रहना शुरू कर दिया। लेकिन अब यह सिचुएशन है कि घर में कोई सिंगल परसन भी मुझसे बात नहीं करता है।

मुझे सिर्फ मंथली खर्चा दिया जाता है और घर के छोटे बड़े काम खुद ही करने पड़ते हैं, मेरी सास ने मेरे पेरेन्ट्स को भी बीके के बारे में बहुत कुछ गलत कहा अब मेरे मायके के घर में भी सभी कहते हैं कि अगर तू बीके को छोड़ेगी तभी हम तेरा साथ देंगे। जिसमें से मैं सिर्फ और सिर्फ मोबाइल के जरिए ही बाबा के ज्ञान में चलती हूँ। मेरी एक रीयल जेठानी भ्जी है वो भी आठ महीने से अपने बेटे को यहीं छोड़कर अपने मायके में रहने लगी है। मेरे पति अगर मैं उन्हें दिख भी जाती हूँ तो बहुत गलत बोलना शुरू कर देते हैं और मेरे बच्चों को भी मेरे बारे में गलत सिखाते रहते हैं! वो कहते हैं कि उनके लिए सब कुछ उनकी मां ही हैं। ओम शान्ति

प्रश्न 32. 24 अप्रैल की मुरली मे बाबा ने कुछ गुह्य राजयुक्त, रहस्ययुक्त बातें समझायी हैं। बाबाने कहा है कि सूक्ष्मवतन में देवताए भी आते हैं महफिल मनाते हैं। क्योंकि देवताए पतित दुनिया में तो पांव रख नहीं सकते इसलिए सूक्ष्मवतन मे मिलते हैं। प्रश्न है सूक्ष्मवतन में जो देवताओ की महफिल सजती है, वह वास्तव मे कौन हैं और कहां से आते हैं। हम आज रोज तक यही जानते हैं कि देवताए सतयुग और त्रेता युग तक ही होते हैं।

(Episode 9)

प्रश्न 33. How to keep potamail what should we write in it 'll explain

प्रश्न 34. WHAT IS THE DIFFERENCE BETWEEN ANXIETY AND DEPRESSION ?

HOW RAJYOGA CAN HELP TO CURE THESE PROBLEMS ?

प्रश्न 35.

My Questions are...

1. How to overcome Introvertness & win friends?
2. What is the right way of behaving with people without losing our self respect ?
3. How to develop good communication skills ?

प्रश्न 36. मेरी एक रिक्वेस्ट है कर्म करते समय किन बातों का ध्यान रखना है जो हम बाबा से सदा ही कनेक्ट रह सकें। क्या बी के को शरीर का कोई भी पार्ट दान करना चाहिए?

(Episode 10)

प्रश्न 37. भोग लगाने की सही विधि क्या है, उस समय क्या संकल्प करें और भोग कहां लगायें, संबंधों का अनुभव कैसे करें? भोग कैसे लगाते हैं, भोग लगाने की विधि क्या है, भोग लगाने से फायदा क्या है, किस चीज का भोग लगाना है ?

प्रश्न 38 जहां जीत वहां जन्म का भावार्थ क्या है, आनंद, खुशी और संतोष में क्या फर्क है ?

प्रश्न 39. मैं एक कुमार हूं, सात साल से ज्ञान में हूं, आलस्य और अपवित्रता ने बचपन से ही परेशान किया है। प्यूरिटी अब ठीक है लेकिन अमृतवेला जाग तो जाता हूं परन्तु एक घंटा नींद से युद्ध होता है, कुछ प्राप्ति नहीं होती, परमधाम या सूक्ष्मवतन विज्युलाइज नहीं होता है, शरीर के साथ ब्रेन भी सुस्त सा रहता है क्रपया समाधान करें जी।

प्रश्न 40. आजकल के बच्चों को हिंसा, डर, नफरत, तामसिक विचार और वासना जैसे विकारों में से निकाल कर बाबा की अलौकिक ज्ञान पूर्ण जीवन शैली में कैसे लाया जाए ? माँ-बाप बच्चों को सिखाते हैं कि स्कूल -कॉलेज में कोई दुर्व्यहार करे तो तुम ईट का जवाब तुम पत्थर से देना। ऐसी परिस्थिति वाले समाज में हम कैसे बच्चों को समझायें? बच्चों के साथ बिल्कुल सॉफ्ट रहने पर बच्चे बाहरी दुनिया के प्रभाव के कारण अपनी हृदय पार कर जाते हैं तो उन्हें कैसे रोके ?.

(Episode 11)

प्रश्न 41 . किसी भी एक बात का सही समय आना चाहिए, ऐसा जो बोलते हैं लेकिन वो सही कब होता है, या सही समय आया है ये कैसे पता चले, हर बात का सही समय आना चाहिए, इसका क्या अर्थ है? भाग्य से ज्यादा और समय से पहले इसका विस्तारार्थ बताएं।

प्रश्न 42. प्रेम क्या है, प्रभू प्रेम को कैसे बढ़ायें, प्रेम की पर्यायवाची परिभाषा नहीं बतायें?

प्रश्न 43. कई बार हम रियेक्ट कर रहे होते हैं, सहन नहीं हो रहा होता, पर उसी समय बड़ गलती भी कर रहे होते हैं, फिर भी हम सहन कर लेते हैं तो ये सहनशक्ति हमारे अन्दर थी लेकिन उस समय काम क्यों नहीं कर रही थी? जबकि चिन्तन में कुछ नहीं था।

प्रश्न 44. माला में पहला और 108वां मणका साइज में बराबर होता है वह पहले के साथ ही जुड़ा होता है फिर भी बीच में 106 का अन्तर होता है वह अन्तर किस चीज का होता है?

(Episode 12)

प्रश्न 45 एक बार शरीर से आत्मा निकल जाती है फिर वह जड़ शरीर चेतन को नहीं खींच . पाता। शरीर में रहने पर छोटी छोटी चीजें- जो जड़ हैं वह चेतनको खींचती रहती है क्यों?

प्रश्न 46 शुरु में न तो इतना ज्ञान था ., न ही चिन्तन का ये लेवल था लेकिन विकराल परिस्थितियों को सहज पार कर लिया। लेकिन आज ऐसा नहीं है तो वह किसका कमाल था, अगर बाबा का था तो हर एक के साथ ऐसा क्यों नहीं? (मन कैसे एक्टिव हो जो अन्य विचार अपना स्थान न बना पायें)

प्रश्न 4 शरीर से अलग होने का पुरुषार्थ क्या है ., जो शंकराचार्य ने अमलुक राजा के शरीर में प्रवेश होने के लिए किया था? लेकिन हम शरीर से अलग होने अर्थात् अशरीरी होने का पु० कैसे करें।

4 आध्यात्मिक शिक्षा और नैति .शिक्षा में क्या भेद है, इस भेद को समझना आवश्यक क्यों है, आध्यात्मिक जागरण के नाम पर भूलवश पुरुषार्थ नैतिक शिक्षा तक सीमित तो नहीं रह गया? कृपया विस्तारपूर्वक बतायें।

(Episode 13)

49. प्रश्न - मैं 6-7 साल से ज्ञान में हूँ, बाबा की मुरली को धारण करने में दिक्कतें आ रही हैं। जब भी मुरली सुनता पढ़ता हूँ तो सारी बातों को ग्रहण करना चाहता हूँ लेकिन हो नहीं रहा है। 4 पेज की मुरली एक साथ धारण नहीं हो रही है। जैसे त्याग की मुरली बहुत इन्स्पायर की थी, लेकिन समझ में नहीं आ रहा धारणा कहा से शुरू करूँ। कोई उपाय बताएं।

50. प्रश्न – कोई ऐसी आत्मा है जो अलौकिक लाईफ में आई परेशानियों की वजह से ज्ञान योग में मन नहीं लगा पा रही है, डिप्रेशन है, पुरानी दुनिया में जाने का भी नहीं सोचती है ऐसी आत्मा को हम कैसे सहयोग दे सकते हैं जिससे उसकी ज्ञान योग में रूचि बढ़ जाये।

51. प्रश्न - भगवान हमें बहुत श्रेष्ठ नज़र से देखते हैं लेकिन हम ये महसूस नहीं कर पाते। छोटी-छोटी बातों के टेंशन में आ जाते हैं। क्या अंत समय में हम तैयार हो जाएंगे? बाबा की उम्मीदों पर हम कैसे खरा उतरें?

52. प्रश्न – मन में पहले से ही आलस्य और अलबेलापन है, दो साल से ज्ञान में हूँ लेकिन अमृतवेला पक्का नहीं हुआ है, प्यूरिटी खंडित हो गई है, अब मुझे वो गलती बोझ लगती है, अच्छा योग नहीं लगता, नींद आती है, व्यर्थ संकल्प चलते हैं, योग को पावरफुल कैसे करूँ, बाबा से अब रिलेश्वर की अनुभूति कैसे करूँ, मैं समर्पित होना चाहती हूँ, लेकिन अंदर से वह फीलिंग नहीं है, बाबा कहते हैं जो हूँ जैसा हूँ लाखों में कोई पहचानता है, इसका क्या मतलब है, चलते फिरते बाबा को कैसे याद करें?

(Episode 14)

55. प्रश्न – मेरी नेचर बहुत सेंसिटिव है, आत्मविश्वास की कमी, एकाग्रता की कमी है, मैं अपनी एकाग्रता को कैसे बढ़ाऊँ, मन में हमेशा डर रहता है?

54. प्रश्न - दो लोग ज्ञान में चलते हैं और एक आत्मा, दूसरी आत्मा के लिये कुछ ऐसा बोलें कि दूसरी आत्मा ना चाहते हुए भी संकल्पों में उलझ जाये। जबकि ये बात पहले वाले को पता है कि दूसरा अभी मजबूत नहीं है और कहे कि मैं तो तुम्हें मजबूत करने के लिये ये सब कह रहा था। तो इसमें विकर्म किसके द्वारा हुआ?

55. प्रश्न – मैं कुमार 25 साल से ज्ञान में हूँ आजकल मुझे इविल सोल का सामना करना पड़ता है, मुझे डर है कि कहीं मेरे में इविल सोल प्रवेश न कर जाए, मैं मास्टर सर्वशक्तिमान स्वमान का अभ्यास करता हूँ लेकिन फिर भी रात में बारह बजे के बाद बहुत ज्यादा डर लगता है, कहीं भी अकेले जाने व सोने में डर लगता है, मुझे बताएं कि किसी के

शरीर में प्रवेश करे तो उनसे कैसे सेफ रहें, या उनसे कैसे बात करें, मेरा डर बढ़ रहा है, मेरी प्यूरिटी अच्छी नहीं है इंटरनेट का अडिक्शन है, कृपया समाधान करें।

56. प्रश्न - हमारा योग सही लगता है उसकी क्या निशानी है, ज्ञान का मनन चिन्तन करने की विधि है?

(Episode 15)

प्रश्न 57. ओम शान्ति

मुरली मे रावण का जिक्र किया जाता है तो आसुरी प्रवृत्ति, विकारों आदि को लक्ष्य में रख कर किया होता है। यही हम आज तक मान रहे हैं।

जैसे हम आत्मा, परमात्मा भी आत्मा है। क्या इसी तरह रावण भी कोई specific आत्मा है जो सर्व आत्माओं को प्रभावित करके गलत काम करवा रही है।

यदि रावण कोई अलग आत्मा है तो उनके रहने का स्थान भी निश्चित परमधाम तो नहीं होगा। उनका इस सृष्टि पर आने का समय भी द्वापर युग में ही होगा। आपसे निवेदन है कि आप इस बारे में अपना मंतव्य बताईये।

प्रश्न 58. एक भाई 2001 से पूरे परिवार सहित सभी धारणाओं की पालना करते हुए ज्ञान में चल रहा था, खाने का बहुत ज्यादा शौक नहीं था, घर का ही भोजन करता था, कुछ समय पहले वो परिवार सहित किसी कार्यक्रम में गया उसे वहां खाने के लिए किसी ने बहुत जिद की और उसने भोजन कर लिया, भोजन के तीन-चार घंटे बाद ही उसे चक्कर आया और वो गिर गया, देह का त्याग कर दिया। डॉक्टर ने कहा कि हार्टअटैक था, लेकिन वह एकदम स्वस्थ था, कोई चेस्टपेन भी नहीं हुई, उम्र भी 46 ही थी। तो यह क्या था, क्या यह भोजन का असर तो नहीं हुआ, उनका अगला जन्म कब होगा और कैसे होगा?

प्रश्न 59. हम आत्मभिमानी होने का अभ्यास करते हैं, बार-बार मैं आत्मा हूं, इस शरीर के द्वारा कर्म कर रही हूं, अपने को बार-बार याद दिलाती हूं, अलग-अलग तरीके से योग भी करती हूं, करीब एक महीने तक अभ्यास करती रहती हूं, पंद्रह दिन बाद फिर काम के संकल्पों की उत्पत्ति होती है, ऐसा लगता है जैसे अभी तक जो भी आत्मभिमानी का अभ्यास कर रहे थे। कुछ भी काम नहीं हुआ, कोई परिवर्तन नहीं, मन उदास हो जाता है, भले ही हम पवित्र रहते हैं लेकिन संकल्प से भी हम पवित्र हैं, फिर बाबा से बार-बार माफी भी मांगते हैं, कब हो पायेंगे हम पूरी तरह आत्मभिमानी, कोई तो सॉलिड तरीका बताईये, जिससे हम देह-अभिमान अथवा बॉडी कान्प्लेक्स से बाहर आ सकें।

प्रश्न 60. मैं रोजाना अरली मॉरनिंग 4 बजे योग करती हूं, बाद में सोती नहीं हूं, लेकिन संडे को योग के बाद एक घंटा सोती हूं, केवल संडे को इरिटेटिंग मूड रहता है, अपसेट रहती हूं, आप बताओ क्यों अपसेट रहती हूं, उसका समाधान दीजिए।